THE MINISTER OF RAILWAYS (SHRI K. HANUMANTHAIYA) : (a) The original representation was not received m July, 1971 but a copy of representation was received in January, 1972.

(b) Yes.

(c) and (d). The Divisional Superintendent, Allahabad has been asked to fix responsibility for the loss of the file and take suitable disciplinary action against the person found responsible. He has also been asked to tighten up the arrangements for safe movement and custody of files.

Goods and Ships seized by India during last War

3085. SHRI RAJDEO SINGH : Will the Minister of FOREIGN TRADE be pleased to state the position of goods and ships India has seized during the last December War ?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF FOREIGN TRADE (SHRI A. C. GEORGE) : During the December, 1971 Indo-Pak War, 4 pakistani Ships along with their cargoes were caputred by Navy. These ships and the cargoes are treated as "War Booty."

In addition to the above, neutral ships carrying cargoes from/or to Pakistan were also brought to the Indian ports by the Navy and the cargoes destined to Pakistan or loaded from there, were off-loadcd. Such cargoes are being dealt with under the Naval & Aircraft Prizes Act, 1971.

Similarly, from neutral ships, which touched Indian ports, cargoes destined or loaded from Pakistan were off-loaded in pursuance of the ban on trade with Pakistan under the Defence of Indian Rules, 1971.

Report of the Working Group on Air Cargo

3086. SHRI VEKARIA :
SHRI D. P. JADEJA :

Will the Minister of FOREIGN TRADE be pleased to state :

(a) whether the working group on Air Cargo headed by Shri T. R. Sarangam has Submitted its report ; and

(b) if so, the recommendations made and the reaction of Government thereto ?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF FOREIGN TRADE (SHRI A. C. GLORGE) : (a) No, Sir.

(b) The Working Group on Air Cargo is expected to submit its report shortly

दिल्ली और नई दिल्ली में रेलवे अस्पतालों का विस्तार

3087. **श्री लालजी भाई :**
श्री भारत सिंह चौहान :

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) दिल्ली तथा नयी दिल्ली में कितने रेलवे अस्पताल है ;

(ख) गत तीन वर्षों में रेलवे अस्पतालों में औसत कितने रोगियों का इलाज किया गया ;

(ग) क्या इस वर्ष में अस्पतालों के कमरों की संख्या बढ़ाने और वहां के औषधियो के भण्डार मे वृद्धि करने की कोई योजना है; और

(घ) यदि हां, तो उस योजना की मुख्य बातें क्या हैं ?

रेल मंत्री (श्री के० हनुमन्तैया : (क) दो (एक दिल्ली में और दूसरा नयी दिल्ली में) ।

(ख) जितने लोगों का इलाज किया गया (अंतरंग और बहिरंग दोनों) उनका दैनिक औसत निम्नलिखित है :—

	1963-69	1969-70	1970-71
दिल्ली मेन अस्पताल, दिल्ली	1878 39	1788·60	1369 35
सेन्ट्रल अस्पताल, नयी दिल्ली	618 81	764 91	718 68

(ग) और (घ) : साधारणत निदान की आवश्यकताओं के अनुसार औषधि का भण्डार रखा जाता है। मरीजो के लिए और अधिक स्थान की व्यवस्था करने के उद्देश्य से सैन्ट्रल अस्पताल, नयी दिल्ली मे एक नया ब्लाक बनाया जा रहा है जिसमे 70 खाटे दिल्ली मेन अस्पताल से अन्तरित की जायेगी और 30 अतिरिक्त खाटो की व्यवस्था की जायेगी। दिल्ली मैन अस्पताल की पुरानी इमारत जिसमे अन्तरग मरीज रखे जाते है, बहिरग पाली क्लिनिक के रूप मे उपयोग म लायी जायेगी। पुरानी दिल्ली अस्पताल के अहाते की अन्य इमारतो को गिरा दिया जायेगा क्योकि उनकी आयु-सीमा खत्म हो गयी है उनकी मरम्मत का वित्तीय औचित्य नही है। दिल्ली मेन अस्पताल मे बहिरग मरीजो के लिए पूरी सुविधाएं मिलती रहेगी जिनमे प्रयोगशाला, एक्सरे और वर्तमान कनिष्ठ विशेषज्ञ शामिल है।

उदयपुर (राजस्थान) में गांवों को बिजली की सप्लाई

3088. **श्री लालजी भाई** : क्या **सिंचाई और विद्युत्** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) उदयपुर मे ऐसे गांवो की सख्या कितनी है जिन्हे गाधी सागर बाँध से अब तक बिजली दी जा चुकी है;

(ख) भविष्य मे इस बाध से और कितने गांवो को बिजली सप्लाई की जायेगी, और

(ग) इस कार्य को कब तक पूरा किया जाएगा ?

सिंचाई और विद्युत् मंत्रालय में उपमंत्री (श्री बंजनाथ कुरील) : (क) से (ग). उदयपुर और राजस्थान मे कुछ अन्य क्षेत्रो के लिए बिजली की सप्लाई चम्बल ग्रिड से होती है जिसे गाँधी सागर तथा अन्य विद्युत् केन्द्रो से बिजली मिलती है। उदयपुर मे 3159 ग्रामो मे से अब तक जिन ग्रामो म बिजली दी जा चुकी है उनकी सख्या 315 है। 1972-73 के दौरान 81 अन्य ग्रामो के विद्युतीकृत होने की सम्भावना है।

उदयपुर के लिये माल डिब्बों की आवश्यकता

3089. **श्री लालजी भाई** : क्या **रेल** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) गत वर्ष मे उदयपुर (राजस्थान) के व्यापारियो ने कितने माल डिब्बो की माग की थी। और बडे व्यापारियो तथा अन्य व्यक्तियो को अलग अलग (व्यापारी-वार) कितने माल डिब्बे उपलब्ध कराये गये थे, और

(ख) किस व्यापारी को अधिकतम माल डिब्बे उपलब्ध कराये गये थे और उसको कितने माल डिब्बे उपलब्ध कराये गये थे ?

रेल मंत्री (श्री के० हनुमन्तैया) : (क) पिछले वर्ष उदयपुर (राजस्थान) के व्यापारियो द्वारा मागे गये माल डिब्बो की सख्या 8, 654 और उन्हे सप्लाई किये गये माल डिब्बो की सख्या 6,131 थी। बड़े व्यापारियों और दूसरो को जिनमे माल डिब्बे सप्लाई किये गये उनकी संख्या नीचे दी हुई है :—